बिहार के सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के भवन एक ही रंग के होंगे

चर्चा में क्यों?

30 मई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार स्वास्थ्य विभाग ने 'मिशन परिवर्तन' के तहत राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के भवनों को एक समान रंग में रंग-रोगन करने का निर्देश दिया है। इसका मॉडल भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान, पावापुरी (बिम्स) को माना गया है।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि बिहार के मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में 'मिशन परिवर्तन'चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य है कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों को चकाचक बनाया जाए।
- साफ-सफाई के साथ विभाग की कोशिश है कि सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के लुक भी एक समान हो। किसी भी मरीज को मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में आते समय दूर से ही रंग के आधार पर आसानी से पहचान हो जाए।
- स्वास्थ्य विभाग ने 'मिशन परिवर्तन' के तहत राज्य के सभी 10 मेडिकल कॉलेज अस्पतालों- पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल, नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल, श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल, मुजफ्फरपुर, जीएमसी, बेतिया, दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल, जेएलएनएमसीएचभागलपुर, जीएमसी, पूर्णिया, जेएनकेटीएमसीएच, मधेपुरा और एएनएमसीएच, गया के भवनों को एक समान रंग में रंग-रोगन करने का निर्देश दिया है।
- इसका मॉडल भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान पावापुरी (बिम्स) को माना गया है। अब बिम्स के भवनों के रंग जैसा ही सभी मेडिकल कॉलेजों के भवनों की रँगाई पुताई की जाएगी।
- गौरतलब है कि इसके पहले 'मिशन 60 डे' के तहत राज्य के सभी ज़िला अस्पतालों को भी एक तरह के रंग में रंगने का आदेश दिया गया था। राज्य के सभी ज़िला अस्पतालों के भवनों को एक रंग में रँगाई कर दिया गया है। इसी फारमूले को बढ़ाते हुए अब मेडिकल कॉलेजों के भवनों और वार्डों को एक समान रंग में करने का निर्देश दिया गया है।
- इसी प्रकार सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि पुराने भवनों को जिनका अब उपयोग नहीं किया जा सकता है, उनकी पहचान कर ली जाए। साथ ही वैसे भवनों को बीएमएसआइसीएल के माध्यम से जमींदोज कराने की कार्रवाई की जाए।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/buildings-of-all-medical-college-hospitals-of-bihar-will-be-of-same-color